(ग) से (ङ) पेट्रोलियम उत्पादों पर दी गई राज सहायता नीचे दर्शायी गयी है :—

(करोड़ रुपए)

	1993–94	1994–95
एस.के.ओ.	3773	3740
एल.पी.जी.	1261	1410
एच.एस.डी.	575	430
नेफथा ऊर्वरक	503	520
उपयोग भट्टी का तेल) ऊर्वरक उपयोग	167	200
एल.एस.एच.एस (ऊर्वरक उपयोग)	102	130
टिमन (पैक्ड)	126	110
पैराफीन वेक्स	89	20

विभिन्न क्षेत्रों में पेट्रोलियम की मांग

5548. श्रीमती सुषम स्वराज :
श्री राम जेठमलानी :

क्या पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या सरकार ने देश के औद्योगिक, कृषि, यातायात, वाणिज्य क्षेत्र और सरकारी-प्रशासनिक क्षेत्रों में पेट्रोलियम, विशेषकर पेट्रोल तथा डीजल की मांग की अलग-अलग मात्रा का अनुमान लगाया है ;

(ख) यदि हां, तो इस संबंध में तथ्य क्या हैं ;

(ग) क्या सरकार ने पेट्रोलियम पदार्थों, विशेषकर पेट्रोल तथा डीजल के अपव्यय पर रोक लगाने के लिए कोई कदम उठाने पर विचार किया है ; और

(घ) यदि हां, तो इस संबंध में ब्यौरा क्या है ?

पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय के राज्य मंत्री (कैप्टन सतीश शर्मा) : (क) और (ख) अर्थव्यवस्था के लगभग सभी क्षेत्रों में ईंधन या फीडस्टाक के रूप में पेट्रोलियम उत्पादों का उपयोग किया जाता है । घरेलू क्षेत्र में एल.पी.जी. और मिट्टी का तेल ऐसे उत्पाद हैं, जो खाना बनाने और प्रकाश के लिए प्रयोग किए जाते हैं । परिवहन क्षेत्र में एम.एस., डीजल और ए.टी.एफ. का उपयोग ईंधन के रूप में किया जाता है। औद्योगिक क्षेत्र में नेफथा/एन.जी.एल., एच.एस.डी., एल.डी.ओ., एफ.ओ/एल.एस.एच.एस. आदि का उपयोग किया जाता है । कृषि क्षेत्र में एच.एस.डी. का उपयोग पम्प सेटों, ट्रैक्टरों, फसल काटने वाले यंत्रों आदि के लिए ईंधन के रूप में किया जाता है । एल.डी.ओ., डीजल, एन.जी.एल./नेफ्था और एफ.ओ./एल.एस.एच.एस. का उपयोग मुख्य सहायक दोनों ईंधन के रूप में बिजली के उत्पादन के लिए किया जाता है ।

एम.एस. (पेट्रोल) की समस्त खपत आटोमोबाइल क्षेत्र अर्थात् कारों और तिपहिया/दुपहिया वाहनों में होती है । 1992-93 और 1993-94 में एम.एस. की वास्तविक खपत क्रमशः 3595 टी.एम.टी. और 3839 टी.एम.टी. थी ।

1992–93 और 1993–94 के दौरान डीजल की क्षेत्रवार खपत नीचे दी गई है :

	1992–93 (टी.एम.टी.)	1993–94 (टी.एम.टी.)
रेलवे	1416	1441

एस.टी.ए	2036	2106
प्रतिरक्षा	221	236
विद्युत	108	115
अन्य	2451	2707
कुल--प्रत्यक्ष	6235	6605
खुदरा	18057	19273
कुल	24292	25878

(ग) और (घ) सरकार ने पेट्रोलियम उत्पादों के संरक्षण के लिए विभिन्न उपाय आरम्भ किए हैं। पी.सी.आर.ए. और तेल कंपनियों ने उन विभिन्न क्षेत्रों की पहचान की है, जिनमें पेट्रोलियम उत्पादों के उपयोग का इष्टतम किया जा सकता है । इनमें अकुशल बायलरों का प्रतिस्थापन, लाग ड्रेन हाई टेक स्नेहू को आरम्भ करना, अंत: इंधन प्रति-स्थापन आदि शामिल हैं । सरकार ने पेट्रोल के विकल्प के रूप में सी. एन. जी. को भी प्रायोगिक आधार पर आरम्भ कराया है ।

Non-Availability of Fast Train from Orissa In Madras

5549. SHRI BHAGABAN MAJHI: Will the Minister of RAILWAYS be pleased to state:

(a) whether it is a fact that no fast Express service to Madras is available from any point in Orissa; and

(b) if so, the details of stepstaken to introduce a fast train from any other point of Orissa?

THE MINISTER OF RAILWAYS (SHRI C. K. JAFFER SHARIEF): (at and (b) Howrah-Madras Mail, Howrah-Madras Coromandal Express, Bokaro-Allsppey Express and Guwahati/Patna/Howrah- Bangalore/Cochin/Trivandrum Express pass through Orissa and serve Orissa-Madras passengers. There is no proposal at present to introduce any train for Madras originating from Orissa.

Electrification of Rail Track in Gujarat

5550. SHRI KANAKSINH MOHANSINH MANGROLA: Will the Minister of RAILWAYS be pleased to state:

(a) what length of Railway track, has been electrified so far in Guiarat;

(b) what is the length of such track which has been electrified recently in the State; and

(c) by when all the rail track ill the State will be electrified, and the tracks proposed for electrification?

THE MINISTER OF RAILWAYS (SHRI C. K. JAFFER SHARIEF): (a) 651 Route kilometre.

(b) 8 Route kilometre i.e. Sabar-tnati-Gandhinagar section was electrified in 1993-94.

(c) Electrification of railway tracks on Indian Railways is a continuous process. Electrification projects are mdertaken on techno-economic merits and operational requirements on a net work basis. As electrification projects are capital intensive, only those broad gauge routes over which the traffic density is high and the return on investment is not less than the minimum prescribed are considered for electrification.

Performa'nee of manufacturing units of the Railways

5551. SHRI GUNDAPPA KORWAR: Will the Minister of RAILWAYS be pleased to state:

(a) the performance of major manufacturing units under the Railways during the last three years;